

पाठ—1 देवव्रत

गंगा का एक सुंदर युवती का रूप धारण कर और राजा शांतनु का उनके सौंदर्य से मोहित होकर विवाह प्रस्ताव रखना ।

गंगा द्वारा विवाह प्रस्ताव को शर्तों के साथ स्वीकार करना ।

राजा शांतनु द्वारा गंगा की शर्तों को स्वीकार कर लेना ।

शर्तानुसार गंगा शांतनु द्वारा उत्पन्न संतान को गंगा में प्रवाहित कर देगी ।

सात संतानों के प्रवाहित होने पर राजा शांतनु का धैर्य टूटना और आठवीं संतान के जन्म पर राजा द्वारा गंगा को रोककर संतानों के प्रवाहित करने का कारण पूछना ।

शांतनु द्वारा वचन भूल जाने पर गंगा का महल छोड़कर चले जाना और राजा शांतनु को पुत्र के लालन—पालन करने के बाद पुरस्कार स्वरूप दे देना ।

महर्षि वशिष्ठ द्वारा शिक्षित कराने के बाद राजा शांतनु को आठवां पुत्र देवव्रत को सौंप देना ।